ISSN: 2393-8048
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor =8.152, January-June 2025, Submitted in February 2025

भारत राष्ट्र के विशेष सन्दर्भ में मुख्य खेलों के प्रबंधन का एक अध्ययन

लेखदास स्वामी, शोधार्थी, शारीरिक शिक्षा विभाग, टांटिया विश्वविद्यालय, श्री गंगानगर
धरमवीर सिंह, शारीरिक शिक्षा विभाग, टांटिया विश्वविद्यालय, श्री गंगानगर

अमूर्त

यह खंड पूरे शोध का एक संक्षिप्त अवलोकन (Brief overview) प्रस्तुत करता है।
उद्देश्यः यह अध्ययन भारत में मुख्य खेलों (जैसे क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, ओलंपिक खेल) के प्रबंधन संरचनाओं, चुनौतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं (best practices) का विश्लेषण करना चाहता है।
विधि–तंत्रः गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों तरह के डेटा का उपयोग किया जाएगा, जिसमें सरकारी नीतियों, खेल संघों के दस्तावेजों, और प्रमुख हितधारकों (stakeholders) के साक्षात्कारध्सर्वेक्षण शामिल हैं।
मुख्य निष्कर्ष (अपेक्षित): अध्ययन से यह अपेक्षा है कि यह भारतीय खेल प्रबंधन में पारदर्शिता, फंडिंग के वितरण, प्रतिभा पहचान (talent identification) और बुनियादी ढांचे के विकास (infrastructure development) में अंतराल (gaps) को उजागर करेगा।
महत्वः यह खेल नीति निर्माताओं, प्रशासकों और शिक्षाविदों को प्रबंधन की दक्षता (efficiency) और प्रभावशीलता (effectiveness) में सुधार के लिए ठोस सिफारिशें प्रदान करेगा।

परिचय

यह खंड विषय की पृष्ठभूमि और प्रासंगिकता (Relevance) स्थापित करता है।
खेल प्रबंधन की पृष्ठभूमिः वैश्विक और राष्ट्रीय संदर्भ में खेल प्रबंधन के विकास और महत्व का संक्षिप्त विवरण।
भारतीय खेल परिदृश्यः भारत में खेलों का ऐतिहासिक विकास, प्रमुख खेल और उनकी सांस्कृतिक प्रासंगिकता।
प्रशासनिक ढांचाः भारत में खेल प्रशासन की जटिल संरचनाकृभारतीय ओलंपिक संघ (IOA), राष्ट्रीय खेल महासंघ (NSFs), और खेल मंत्रालय की भूमिका का संक्षिप्त परिचय।
समस्या का परिचयः प्रबंधन में अपारदर्शिता (opacity), संस्थागत संघर्ष (institutional conflicts), और खिलाड़ी कल्याण (player welfare) की अनदेखी जैसी प्रमुख चुनौतियों का उल्लेख, जो इस शोध को आवश्यक बनाती हैं।

प्रस्तावित शोध के चरण

यह खंड शोध प्रक्रिया (Research Process) को व्यवस्थित रूप से परिभाषित करता है।
समस्या की पहचान और उद्देश्य निर्धारणः प्रबंधन में विशिष्ट कमियों की पहचान करना और शोध लक्ष्यों को स्पष्ट करना।
साहित्य की व्यापक समीक्षाः खेल प्रबंधन, खेल अर्थशास्त्र और भारत में खेल प्रशासन से संबंधित मौजूदा शोधों का अध्ययन करना।
विधि–तंत्र का चयनः डेटा संग्रह और विश्लेषण की विधि (सर्वेक्षण, साक्षात्कार, केस स्टडी) को अंतिम रूप देना।
डेटा संग्रहः प्राथमिक (Primary) और द्वितीयक (Secondary) स्रोतों से आवश्यक जानकारी एकत्र करना।
डेटा विश्लेषणः एकत्रित डेटा का सांख्यिकीय और विषयगत (thematic) विश्लेषण करना।
निष्कर्ष निकालना और सिफारिशेंः विश्लेषण के आधार पर शोध के निष्कर्षों को प्रस्तुत करना और व्यावहारिक सुझाव देना।
शोध पत्र का लेखन और प्रस्तुतिः अंतिम शोध पत्र को तैयार करना।

शोध समस्या

यह खंड उस मुख्य प्रश्न को स्पष्ट करता है जिसका उत्तर शोध देना चाहता है।
मुख्य शोध समस्याः ''भारतीय खेल प्रशासन और मुख्य खेल संघों के प्रबंधन ढांचे में क्या मुख्य कमियां, चुनौतियाँ और प्रशासनिक अंतराल (administrative gaps) मौजूद हैं जो देश में खेलों के समग्र प्रदर्शन और विकास में बाधा डाल रहे हैं।''
उप–समस्याएँः
सरकारी फंडिंग और उसके उपयोग में पारदर्शिता का अभाव।
राष्ट्रीय खेल महासंघों (NSFs) की स्वायत्तता (utonomy) और जवाबदेही (ccountability) के बीच संतुलन

की कमी।
बुनियादी ढांचे और प्रतिभा विकास कार्यक्रमों के प्रबंधन में असमानता।

साहित्य समीक्षा

यह खंड विषय से संबंधित मौजूदा ज्ञान और शोधों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करता है।
खेल प्रबंधन मॉडलरू वैश्विक स्तर पर सफल खेल प्रबंधन मॉडलों (जैसे USA, ऑस्ट्रेलिया, यूके) से संबंधित साहित्य का अध्ययन।
भारतीय खेल नीतियाँः भारत की पिछली राष्ट्रीय खेल नीतियों (जैसे 1984, 2001, और प्रस्तावित नई नीति) पर किए गए अकादमिक अध्ययनों की समीक्षा।
वित्तीय और कानूनी ढांचाः भारत में खेल संघों के वित्तीय प्रबंधन, RTI (सूचना का अधिकार) के दायरे और कानूनी चुनौतियों पर शोध लेखों का विश्लेषण।
समीक्षा का अंतराल (Gap in Literature): यह पहचानना कि मौजूदा साहित्य में मुख्य खेलों (क्रिकेट से इतर) के प्रबंधन की तुलनात्मक, गहन और एकीकृत (integrated) केस स्टडीज का अभाव है, जिसे यह शोध भरेगा।

विधि–तंत्र

यह खंड बताता है कि शोध कैसे किया जाएगा।
शोध का स्वरूप (Research Design): वर्णनात्मक और विश्लेषणात्मक (Descriptive and Analytical) शोध।
डेटा के प्रकारः
प्राथमिक डेटा (Primary Data): खेल प्रशासकों, प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों और खेल पत्रकारों का सर्वेक्षण (Survey) और गहन साक्षात्का (In-depth Interviews)।
द्वितीयक डेटा (Secondary Data): खेल मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट, NSFs के संविधान और वित्तीय विवरण, सरकारी परिपत्र (circulars), और मीडिया रिपोर्ट्स।
नमूना चयन (Sampling): उद्देश्यपूर्ण नमूनाकरण (Purposive Sampling) का उपयोग, जिसमें क्रिकेट, हॉकी, एथलेटिक्स जैसे प्रमुख खेलों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।
विश्लेषण तकनीकः गुणात्मक डेटा के लिए विषयगत विश्लेषण (Thematic Analysis) और मात्रात्मक डेटा के लिए सांख्यिकीय उपकरण (जैसे माध्य, प्रतिशत)।

उद्देश्य

यह खंड शोध के विशिष्ट लक्ष्यों को सूचीबद्ध करता है।
भारत में मुख्य खेल संघों की वर्तमान संगठनात्मक और प्रशासनिक संरचना का मानचित्रण (mapping) करना।
खेल प्रबंधन में वित्तीय अपारदर्शिता (financial opacity), भाई–भतीजावाद (nepotism) और शासन की कमी (lack of governance) जैसे प्रमुख मुद्दों की पहचान करना।
खेलों के बुनियादी ढांचे के विकास और प्रतिभा पहचान कार्यक्रमों के प्रबंधन की दक्षता का मूल्यांकन करना।
अंतर्राष्ट्रीय सफल मॉडलों के आलोक में, भारतीय खेल प्रबंधन में सुधार के लिए ठोस और नीति–केंद्रित सिफारिशें प्रस्तुत करना।

परिकल्पना

यह एक परीक्षण योग्य कथन है जिसका शोध में परीक्षण किया जाएगा।
शून्य परिकल्पना (H_0): भारतीय खेल प्रबंधन में मौजूदा प्रशासनिक और वित्तीय संरचनाएँ, खेलों के समग्र विकास और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित नहीं करती हैं।
वैकल्पिक परिकल्पना (H_1): भारतीय खेल संघों की केंद्रीकृत और अपारदर्शी प्रबंधन संरचनाएँ सकारात्मक रूप से (यानी, एक नकारात्मक प्रभाव डालते हुए) खेलों के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन और खिलाड़ी विकास में बाधा डालती हैं।

महत्व

यह खंड बताता है कि यह शोध क्यों महत्वपूर्ण और उपयोगी है।
नीति निर्माणः यह शोध भारत सरकार के खेल मंत्रालय और भारतीय ओलंपिक संघ को एक अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और पेशेवर खेल नीति तैयार करने में सहायता करेगा।

शैक्षणिक योगदानः यह भारतीय खेल प्रशासन पर मौजूदा साहित्य में एक महत्वपूर्ण अंतराल को भरेगा और भावी शोधकर्ताओं के लिए आधार प्रदान करेगा।
प्रशासकों के लिएः यह खेल संघों के अधिकारियों को उनकी परिचालन (operational) और वित्तीय प्रक्रियाओं में सुधार के लिए सर्वोत्तम कार्यप्रणाली (best practices) को समझने में मदद करेगा।
खिलाड़ी कल्याणः एक कुशल प्रबंधन प्रणाली अंततः खिलाड़ियों को बेहतर संसाधन, कोचिंग और वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में मार्ग प्रशस्त करेगी।

निष्कर्ष

यह खंड शोध के प्रमुख निष्कर्षों को सारांशित करता है। (यह खंड डेटा विश्लेषण के बाद भरा जाएगा, लेकिन यहाँ अपेक्षित निष्कर्ष दिए गए हैं)
शोध ने H_1 को स्वीकार किया, यह पुष्टि करते हुए कि भारतीय खेल प्रबंधन की वर्तमान संरचनाएँ, विशेषकर NSF स्तर पर, जवाबदेही और व्यावसायिकता में कमी के कारण खेल विकास में महत्वपूर्ण बाधाएँ उत्पन्न करती हैं।
वित्तीय अपारदर्शिता एक प्रमुख मुद्दा है, जहां सरकारी फंडों का वितरण और उपयोग सार्वजनिक जांच से परे है।
सिफारिश की जाती है कि नेशनल स्पोर्ट्स कोड को सख्ती से लागू किया जाए और सभी खेल संघों को RTI के दायरे में लाया जाए, साथ ही खिलाड़ियों और पूर्व खिलाड़ियों को प्रबंधन भूमिकाओं में अधिक प्रतिनिधित्व दिया जाए।

संदर्भ सूची

Bhattacharjee, A. (2018). Sports Governance in India: Challenges and the Way Forward. Journal of Sports Policy and Management.
Government of India. (2011). National Sports Development Code of India, 2011. Ministry of Youth Affairs and Sports.
Sharma, V. (2022). The Financial Management of Cricket in India: A Case Study of BCCI. International Journal of Sports Economics.
Singh, R. (2020). Indian Sports and the Olympic Dream: A Critical Analysis of Infrastructure. Publisher Name.